HINDI | ENGLISH

मनोभ्रंश रोग (डिमेंशिया) का रोग निदान

यह सहायता पत्र डिमेंशिया के प्रारम्भिक लक्षणों, इसका रोगनिदान करने के तरीकों और शुरूआती तथा सही रोगनिदान करने की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

डिमेंशिया के प्रारम्भिक लक्षण कौन से हैं?

क्योंकि वे रोग जिनसे डिमेंशिया होता है, वे धीरे-धीरे विकसित होते हैं, इसलिए प्रारम्भिक लक्षण बहुत सूक्ष्म हो सकते हैं और हो सकता है कि ये तुरंत स्पष्ट न हों। प्रारम्भिक लक्षण डिमेंशिया के प्रकार पर भी निर्भर करते हैं और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक अलग-अलग हो सकते हैं।

सामान्य प्रारम्भिक लक्षणों में शामिल हैं:

- स्मरण-शक्ति से सम्बन्धित समस्याएँ, विशेषकर हाल ही की घटनाओं को याद रखना
- व्याकुलता में वृद्धि
- ध्यान लगाने में कमी होना
- व्यक्तित्व या आचरण संबंधी बदलाव
- उदासीनता और प्रत्याहार (विदड्राल) या अवसाद (डिप्रेशन)
- दैनिक कार्यों को करने की क्षमता में कमी

कभी-कभी लोग इस बात को पहचानने में असफल रहते हैं कि ये लक्षण यह दर्शाते हैं कि कुछ सही नहीं है। वे गलती से यह मान लेते हैं कि ऐसा व्यवहार बूढ़े होने पर होना आम है, या लक्षण इतनी धीरे-धीरे विकसित होते हैं कि इनकी तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। कई बार लोग यह जानते हुए भी कि कुछ गलत है, उसपर कुछ कार्यवाही करने से हिचकिचा सकते हैं।

लक्षणों का अनुभव करने वाले व्यक्ति के लिए, मस्तिष्क के भीतर इन बदलावों के प्रकार का यह अर्थ हो सकता है कि व्यक्ति यह पहचानने में असक्षम है कि बदलाव हो रहे हैं।

चेतावनी संकेत

यह डिमेंशिया के आम लक्षणों की जाँच-सूची है। इस सूची का ध्यान से अध्ययन करें तथा जो लक्षण मौजूद हैं, उनपर सही का निशान लगायें। यदि आप सही के बहुत से निशान लगाते हैं, तो संपूर्ण निरीक्षण के लिए डॉक्टर से संपर्क करें।

☐ **स्मरण-शक्ति का कम हो जाना जो रोज़मर्रा के कार्यों को प्रभावित करता है**

कभी-कभी अपॉइंटमेंटों को भूल जाना और फिर बाद में उनकी याद आना आम है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति अधिक बार चीज़ें भूल जाता है या फिर उन्हें बिल्कुल ही याद नहीं रखता।

☐ **सामान्य कार्यों को करने में कठिनाई**

लोग समय-समय पर विचलित महसूस कर सकते हैं तथा भोजन का कोई भाग परोसना भूल सकते हैं। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को भोजन बनाने के सभी कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

☐ **समय और स्थान को लेकर भटकाव**

डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को किसी परिचित स्थान तक पहुँचने में परेशानी हो सकती है, अथवा वह इस बात को लेकर व्याकुल महसूस कर सकते हैं कि वह कहाँ हैं, या हो सकता है कि वह ऐसा सोचें कि वह अपने जीवन के किसी पुराने समय मे हैं।

☐ **भाषा संबंधी समस्याएँ**

वैसे तो हर किसी कि कभी न कभी उचित शब्द ढूँढने में कठिनाई होती है, परन्तु डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति साधारण शब्दों या वैकल्पिक अनुपयुक्त शब्दों को भूल सकता है, जिससे उनकी बात समझना कठिन हो सकता है। ऐसे व्यक्ति को भी दूसरों की बात समझने में कठिनाई आ सकती है।

☐ **भावात्मक सोच संबंधी कठिनाईयाँ**

हर किसी के लिए अपने पैसों का प्रबंध करना कठिन हो सकता है, पर डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को यह जानने में मुश्किल हो सकती हैं कि संख्याओं का क्या अर्थ है और इनका क्या उपयोग है।

☐ **गलत निर्णय लेना या निर्णय लेने की क्षमता में कमी**

कई गतिविधियों में अच्छा निर्णय लेने की क्षमता का होना ज़रूरी होता है। जब डिमेंशिया के कारण इस क्षमता पर असर पड़ता है, तो हो सकता है कि व्यक्ति को उचित निर्णय लेने में परेशानी आए, जैसे कि सर्दियों के मौसम में कौन से कपड़े पहने जाएँ।

☐ **स्थानिक कौशल संबंधी समस्याएँ**

डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को कार चलाते हुए दूरी या दिशा के बारे में निर्णय लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

☐ **वस्तुओं को गलत स्थान पर रखने की समस्याएँ**

कोई भी व्यक्ति कुछ देर के लिए अपना पर्स या चाबियाँ गलत स्थान पर रख सकता है। हो सकता है कि डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति अक्सर चीज़ों को उनके सही स्थान पर न रखे।

☐ **स्वभाव, व्यक्तित्व या व्यवहार में बदलाव**

हर कोई समय-समय पर उदास या चिड़चिड़ा हो सकता है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति के स्वभाव में बिना किसी कारण तेजी से बदलाव आ सकते हैं। हो सकता है कि वह व्याकुल, संदेही या चीज़ों से मुँह मोड़ने जैसे स्वभाव के प्रतीत हों। कुछ लोग कम संकोची या अधिक मिलनसार बन सकते हैं।

☐ **पहल करने में कमी**

कुछ गतिविधियाँ बार-बार करके उनसे उब जाना साधारण बात है। परन्तु डिमेंशिया के कारण रोगियों की उन गतिविधियों में रूचि समाप्त हो सकती है जिन्हें करने में पहले उन्हें मज़ा आता था।

यह सहायता पत्र ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा वित्त-पोषित है

हो सकता है कि यह डिमेंशिया न हो

याद रखें कि बहुत सी परिस्थितियों के लक्षण डिमेंशिया से मिलते-जुलते हो सकते हैं, इसलिए ऐसी स्थिति में यह न समझें कि किसी को डिमेंशिया है क्योंकि उनमें कुछ लक्षण मौजूद हैं। स्ट्रोक, अवसाद, शराब की लत, संक्रमण, हॉर्मोन संबंधी विकार, पौष्टिक तत्वों की कमी व मस्तिष्क ट्यूमर भी डिमेंशिया जैसे लक्षण उत्पन्न कर सकते हैं। इनमें से कई परिस्थितियों का इलाज किया जा सकता है।

उचित रोग-निदान आवश्यक है

शुरू में ही किसी डॉक्टर से सलाह लेना अत्यावश्यक है। केवल डॉक्टर ही डिमेंशिया का रोग-निदान कर सकता है। सम्पूर्ण चिकित्सीय एवं मनोवैज्ञानिक जाँच ही इलाज करने योग्य परिस्थितियों का पता लगा सकती है तथा यह सुनिश्चित कर सकती है कि इसका इलाज सही ढंग से होगा अथवा इससे डिमेंशिया से ग्रस्त होने की पुष्टि हो सकती है।

जाँच में निम्नलिखित शामिल हो सकता है:

- मेडिकल हिस्ट्री (पृष्ठभूमि) – डॉक्टर पुराने और वर्तमान चिकित्सीय समस्याओं, पारिवारिक मेडिकल हिस्ट्री, सेवन की जाने वाली किन्हीं दवाईयों, और स्मरण-शक्ति, सोच-विचार या व्यवहार से सम्बन्धित ऐसी समस्याओं के बारे में पूछेगा जिनसे चिंताएँ हो रही हों। हो सकता है कि डॉक्टर परिवार के किसी करीबी सदस्य से बात करना चाहे जो संपूर्ण आवश्यक जानकारी प्रदान कर सकता हो।
- शारीरिक जाँच – इसमें समझबूझ और गतिशीलता संबंधी जाँच और साथ ही हृदय और फेफड़ों के काम करने से सम्बन्धित जाँच शामिल हो सकती है ताकि किन्हीं अन्य समस्याओं के न होने की पुष्टि की जा सके।
- प्रयोगशाला संबंधी जाँच – इसमें भिन्न प्रकार की रक्त और मूत्र जाँच शामिल होगी ताकि यह पहचान की जा सके कि क्या लक्षण किसी रोग के कारण तो नहीं हैं। कुछ मामलों में, जाँच के लिए रीढ़ की हड्डी के द्रव का थोड़ा नमूना भी लिया जा सकता है।
- तंत्रिका मनोविज्ञान या संज्ञानात्मक जाँच – स्मरण-शक्ति, भाषा, ध्यान लगाना और समस्या का समाधान करने सहित सोच-विचार करने की योग्यताओं का आंकलन करने के लिए अलग-अलग प्रकार की जाँच का प्रयोग किया जाता है। इससे समस्या के विशिष्ट भागों की पहचान करने में मदद मिल सकती है, जिससे अंतर्निहित कारण या डिमेंशिया के प्रकार की पहचान करने में मदद मिलती है।
- मस्तिष्क की तस्वीर लेना – कुछ विशेष प्रकार के स्कैन होते हैं जो मस्तिष्क की संरचना को देखते हैं और इनका प्रयोग यह पुष्टि करने के लिए किया जाता है कि लक्षण मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर या ब्रेन क्लोट के कारण तो नहीं हैं और इनका प्रयोग मस्तिष्क के टिशु के नष्ट होने के पैटर्न का पता लगाने के लिए भी किया जाता है जो डिमेंशिया के अलग-अलग प्रकारों के बीच अंतर बता सकते हैं। अन्य स्कैन यह बताते हैं कि मस्तिष्क के कुछ हिस्से कितने सक्रिय हैं और ये डिमेंशिया के प्रकार में अंतर बताने में भी सहायक होते हैं।
- मनोरोग आंकलन – अवसाद जैसे उपचार-योग्य विकारों की पहचान करने के लिए और दुष्चिन्ता या भ्रम जैसे किन्हीं मनोरोग लक्षणों का प्रबंध करने के लिए जो डिमेंशिया के साथ हो सकते हैं

शुरूआत कहाँ से करें

शुरूआत करने का सबसे उत्तम तरीका व्यक्ति के डॉक्टर से सलाह लेना है। लक्षणों पर गौर करने तथा स्क्रीनिंग जाँच के आदेश देने के बाद डॉक्टर प्राथमिक रोग-निदान का प्रस्ताव दे सकता है और आदर्श तौर पर व्यक्ति को तंत्रिता विज्ञानी (न्यूरोलोजिस्ट), वृद्धावस्था रोग विशेषज्ञ (जेरिट्रिशियन) या मनोरोग चिकित्सक जैसे चिकित्सा विशेषज्ञ के पास भेज सकता है।

कुछ लोग डॉक्टर के पास जाने के विचार का प्रतिरोध कर सकते हैं। कभी-कभी लोग इस बात का अहसास नहीं करते हैं कि उनके साथ कुछ गलत है क्योंकि डिमेंशिया के साथ मस्तिष्क में होने वाले बदलाव किसी व्यक्ति द्वारा उसकी स्वयं की स्मरण संबंधी समस्याओं को पहचानने या समझने की क्षमता में बाधा डालते हैं। दूसरे लोग, जिन्हें अपनी परिस्थिति की समझ हो, वे अपने भय की पुष्टि हो जाने के कारण डरे हुए हो सकते हैं। इस समस्या को दूर करने का सबसे उत्तम तरीकों में से एक यह है कि आप किसी अन्य बहाने से डॉक्टर के पास जाएँ। शायद रक्त चाप या किसी दीर्घावधि की समस्या या दवाई की समीक्षा का बहाना लेकर। एक अन्य तरीका यह है कि इस बात का सुझाव दें कि आप दोनों की शारीरिक जाँच करवाने का समय आ गया है। इस समय शांत एवं ध्यान रखने वाला रवैया व्यक्ति की चिंताओं व उसके भय पर काबू पाने में सहायता कर सकता है।

यदि फिर भी व्यक्ति डॉक्टर के पास नहीं जाता है, तो:

- परामर्श के लिए व्यक्ति के डॉक्टर से बात करें
- सूचना के लिए My Aged Care को **1800 200 422** पर फोन करके ऐज्ड केयर एसेसमेंट टीम (Aged Care Assessment Team - ACAT) से संपर्क करें
- नेशनल डिमेंशिया हेल्पलाइन को **1800 100 500** पर फोन करें

यदि आपको लगता है कि आपका डॉक्टर आपकी चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है तो किसी दूसरे डॉक्टर को दिखाएँ।

डिमेंशिया के प्रारम्भिक लक्षणों और डॉक्टर से सहायता लेने के बारे में और अधिक विस्तृत जानकारी के लिए Dementia Australia की वेबसाइट से *Worried About Your Memory?* पुस्तिका डाउनलोड करें या इसकी एक प्रति का ऑर्डर देने के लिए नेशनल डिमेंशिया हेल्पलाइन को फोन करें।

अधिक जानकारी

Dementia Australia सहायता, सूचना, शिक्षा तथा सलाह प्रदान करता है। नेशनल डिमेंशिया हेल्पलाइन से **1800 100 500** पर संपर्क करें, या हमारी वेबसाइट **dementia.org.au** देखें

Interpreter

भाषाई सहायता के लिए अनुवाद एवं दुभाषिया सेवा को **131 450** पर फोन करें

यह प्रकाशन शामिल विषय वस्तु का केवल सामान्य सारांश ही प्रदान करता है। लोगों को अपने विशिष्ट मामले के संबंध में व्यावसायिक सलाह लेनी चाहिए। Dementia Australia इस प्रकाशन में किसी त्रुटि या छूट के लिए जिम्मेदार नहीं है।

translation standards

Dementia Australia ©1999
2017 में समीक्षा की गई

Diagnosing dementia

This Help Sheet provides information about the early signs of dementia, the techniques used to diagnose dementia and the importance of an early and correct diagnosis.

What are the early signs of dementia?

Because the diseases that cause dementia develop gradually, the early signs may be very subtle and not immediately obvious. Early symptoms also depend on the type of dementia and vary a great deal from person to person.

Common early symptoms include:

- Memory problems, particularly remembering recent events
- Increasing confusion
- Reduced concentration
- Personality or behaviour changes
- Apathy and withdrawal or depression
- Loss of ability to do everyday tasks

Sometimes people fail to recognise that these symptoms indicate that something is wrong. They may mistakenly assume that such behaviour is a normal part of ageing, or symptoms may develop so gradually they go unnoticed for a long time. Sometimes people may be reluctant to act even when they know something is wrong.

For the person experiencing the symptoms, the very nature of these changes within the brain may mean that the person is unable to recognise that there are changes.

Warning signs

This is a checklist of common symptoms of dementia. Go through the list and tick any symptoms that are present. If there are several ticks, consult a doctor for a complete assessment.

☐ **Memory loss that affects day-to-day function**

It's normal to occasionally forget appointments and remember them later. A person with dementia may forget things more often or not remember them at all.

☐ **Difficulty performing familiar tasks**

People can get distracted and they may forget to serve part of a meal. A person with dementia may have trouble with all the steps involved in preparing a meal.

☐ **Disorientation to time and place**

A person with dementia may have difficulty finding their way to a familiar place, or feel confused about where they are, or think they are back in some past time of their life.

☐ **Problems with language**

Everyone has trouble finding the right word sometimes, but a person with dementia may forget simple words or substitute inappropriate words, making them difficult to understand. They might also have trouble understanding others.

☐ **Problems with abstract thinking**

Managing finances can be difficult for anyone, but a person with dementia may have trouble knowing what the numbers mean or what to do with them.

☐ **Poor or decreased judgement**

Many activities require good judgement. When this ability is affected by dementia, the person may have difficulty making appropriate decisions, such as what to wear in cold weather.

☐ **Problems with spatial skills**

A person with dementia may have difficulty judging distance or direction when driving a car.

☐ **Problems misplacing things**

Anyone can temporarily misplace a wallet or keys. A person with dementia may often put things in inappropriate places.

☐ **Changes in mood, personality or behaviour**

Everyone becomes sad or moody from time to time. Someone with dementia can exhibit rapid mood swings for no apparent reason. They can become confused, suspicious or withdrawn. Some can become disinhibited or more outgoing.

☐ **A loss of initiative**

It's normal to tire of some activities. However, dementia may cause a person to lose interest in previously enjoyed activities.

This help sheet is funded by the Australian Government

It may not be dementia

Remember that many conditions have symptoms similar to dementia, so do not assume that someone has dementia just because some of the above symptoms are present. Strokes, depression, alcoholism, infections, hormone disorders, nutritional deficiencies and brain tumours can all cause dementia-like symptoms. Many of these conditions can be treated.

A correct diagnosis is important

Consulting a doctor at an early stage is critical. Only a medical practitioner can diagnose dementia. A complete medical assessment may identify a treatable condition and ensure that it is treated correctly, or it might confirm the presence of dementia.

An assessment may include the following:

- Medical history – the doctor will ask about past and current medical problems, family medical history, any medications being taken, and the problems with memory, thinking or behaviour that are causing concern. The doctor may also wish to speak to a close family member who can help provide all the necessary information.
- Physical examination – this may include tests of the senses and movement function, as well as heart and lung function, to help rule out other conditions.
- Laboratory tests – will include a variety of blood and urine tests to identify any possible illness which could be responsible for the symptoms. In some cases, a small sample of spinal fluid may be collected for testing.
- Neuropsychological or cognitive testing – a variety of tests are used to assess thinking abilities including memory, language, attention and problem solving. This can help identify specific problem areas, which in turn helps identify the underlying cause or the type of dementia.
- Brain imaging – there are certain scans that look at the structure of the brain and are used to rule out brain tumours or blood clots in the brain as the reason for symptoms, and to detect patterns of brain tissue loss that can differentiate between different types of dementia. Other scans look at how active certain parts of the brain are and can also help discriminate the type of dementia.
- Psychiatric assessment – to identify treatable disorders such as depression, and to manage any psychiatric symptoms such as anxiety or delusions which may occur alongside dementia

Where to begin

The best place to start is with the person's doctor. After considering the symptoms and ordering screening tests, the doctor may offer a preliminary diagnosis and will, ideally, refer the person to a medical specialist such as a neurologist, geriatrician or psychiatrist.

Some people may be resistant to the idea of visiting a doctor. Sometimes people do not realise that there is anything wrong with them because the brain changes that occur with dementia interfere with the ability to recognise or appreciate the changes occurring. Others, who do have insight into their condition, may be afraid of having their fears confirmed. One of the best ways to overcome this problem is to find another reason to visit the doctor. Perhaps suggest a blood pressure check or a review of a long-term condition or medication. Another way is to suggest that it is time for both of you to have a physical check-up. A calm attitude at this time can help overcome the person's worries and fears.

If the person still will not visit the doctor:

- Talk to the person's doctor for advice
- Contact your local Aged Care Assessment Team (ACAT) via My Aged Care on **1800 200 422** for information
- Call the National Dementia Helpline on **1800 100 500**

If you feel your doctor is not taking your concerns seriously, consider seeking a second opinion.

For more detailed information about the early signs of dementia and seeking help from a doctor, download the Worried About Your Memory? booklet from the Dementia Australia website or call the National Dementia Helpline to order a copy.

FURTHER INFORMATION

Dementia Australia offers support, information, education and counselling. Contact the National Dementia Helpline on **1800 100 500**, or visit our website at **dementia.org.au**

Interpreter

For language assistance phone the Translating and Interpreting Service on **131 450**

This publication provides a general summary only of the subject matter covered. People should seek professional advice about their specific case. Dementia Australia is not liable for any error or omission in this publication.

Dementia Australia © 1999
Last reviewed 2017